

बारिश के बाद धान में नमी होने से उठाव ठप्प

कोरबा (चिन्तक)। धान खरीदी को एक माह पूरा हो गया है। जिले में 40132 किसानों ने धान बेचने के लिए पंजीयन कराया है। अब तक 16 हजार 895 किसानों से छह लाख 90 हजार 552 किंटल धान खरीदी सकारी समितियों हो चुकी है। 26 हजार किसान अभी भी धान बेचने नहीं पहुंचे हैं। इस रेखा औसतन 40 हजार किंटल धान की खरीदी हो रही है। बारिश के बाद धान में नमी होने से उठाव ठप्प है। उपर्जन केंद्रों में धान रखने की जगह कम पड़ने लगी है। प्रतिदिन औसतन 40 हजार किंटल धान आवक से खरीदी के अंत तक संग्रहित धान 15 लाख किंटल से पार होने की सभावना बढ़ गई है।

पौसम खुलने के बाद धान खरीदी केंद्रों में किसानों की पिसे भीड़ बढ़ने लगी है। नियमित रूप से किसानों के टोकन कटने का काम पिसे शुरू हो गया है। अब तक छह लाख 90 हजार 552 किंटल धान की खरीदी हो चुकी है। इसमें से छह लाख 25 हजार 540 किंटल मोटा और 43 हजार 998 किंटल 40 किलो सरना और एक हजार 013 किंटल 60 किलो पतला धान शामिल है। कुल खरीदे गए धान में से 55



केंद्रों में धान रखने की जगह नहीं

फैसला उठाव का दावा विषयन विभाग कर रहा है लेकिन दीओं के बाद भी धान नहीं उठा है। उपर्जन केंद्रों में तीन लाख 50 किंटल धान अब भी जाम है। जिला विषयण

अधिकारी ने जानवरी जिलहरे के अनुसार समितियों में धान की शेष मात्रा निर्धारित बफ्फ लिमिट के आसपास ही है और लगातार डीओं के लिए मिलाये गए तत्काल

गाड़ियां लगावाकर धान उठाने के लिए कहा गया है। सोमवार को एक हजार 221 किसानों से होनी 51 हजार 054 किंटल धान की खरीदी सोमवार तीन जनवरी को एक हजार 221 किसानों को धान बेचने के लिए उपार्जन केंद्रों से टोकन जारी कर दिए गए हैं। 03 जनवरी को इन किसानों से 51 हजार 054 किंटल से अधिक धान समर्पित मूल्य पर खरीदा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियों में शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक धान की खरीदी की जा रही है। किसानों को रविवार से शुक्रवार तक सुबह साढ़े नींबू से शाम पांच बजे तक टोकन जारी किये जा रहे हैं। जिले के धान खरीदी केंद्रों में कामन धान एक हजार 940 रुपये प्रति किंटल और ए ग्रेड धान एक हजार 900 रुपये प्रति किंटल की दर से खरीदा जा रहा है। इन गोदामों में अब उपर्जन केंद्रों से एक दिसंबर 2021 से 31 जनवरी तक नकद और लिकिंग में धान की खरीदी की जा रही है। प्रदेश के किसानों से अधिकतम 15 किंटल प्रति एकड़ की सीमा तक धान खरीदा जा रहा है।

राशन दुकानों में घटिया चांवल की आपूर्ति, जांच का विषय

कोरबा (चिन्तक)। शासकीय राशन दुकानों में अमान्य श्रेणी का चावल प्रदाय का मापता अनेक सवालों को जम्म दे रहा है। इस बीच जांच समिति ने छुरी और कोरबा गोदाम में 50 स्टेक चावल को मानक श्रेणी का सर्टिफिकेट दे दिया है। अब यहां से राशन दुकानों में घटिया चावल प्रदाय की शिकायत नहीं होगी।

छिले दिनों शासकीय राशन दुकान में डिक्टिलर (बगरी) और ब्रॉकेन चावल वितरण की शिकायत मिली थी।

कलेक्टर मती रानू साहू ने वेरर हाऊस में संग्रहित चावलों की जांच का निर्देश दिया था। कोरबा और लूरी के गोदामों में जांचकर 59 स्टेक में से 54 स्टेक मानक और 05 स्टेक अमानक श्रेणी का पाया गया। संबंधित राई स मिल मालिकों को 05 स्टेक चावल बदलकर देने का आदेश दिया गया है। इन गोदामों में अब अमानक चावल नहीं रह गया है। लिहाजा अब राशन दुकानों को अमानक चावल प्रदाय नहीं होगा। अगर भविष्य में ऐसी शिकायत मिलती है, तो या तो परिवहनकर्ता



या फिर राशन दुकानदार चावल करते हैं। इसके बाद ही गोदाम में चावल जमा होता है। प्रश्न यह है कि क्या क्लालिटी इस्पेक्टर अमानक श्रेणी के चावल को फर्जीबाड़ा कर जमा करते समय चावल मानक श्रेणी का था, तब वही क्लालिटी इस्पेक्टर अब जांच में चावल को अमानक श्रेणी कैसे बता रहा है? क्या चावल नान के गोदाम में रखे-रखे अमानक हो गया? अगर गोदाम में रखे-रखे अमानक हो गया, तो कोई राई स मिल मालिक इसके लिए चावल की गुणवत्ता का परीक्षण कैसे हो सकता है?

हाईटेंशन लाइन के एंगल को चोरों ने बनाया निशाना

कई जिलों में बिजली सप्लाई बंद

था पर अब पुनः चोरों की घटनाएं बढ़ गई हैं। चोरों के मध्य आपसी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, इससे स्थिति में चोर अब खदान को छोड़ बाहर भी चोरों करने लगे हैं। डीजल चोरों के हौसले भी इन्हें बढ़ गए हैं। इस घटना से संघर्जा संभाग के चार जिलों व कोरबा के पालीए कट्टोरा एवं चैतमा एवं छुरी में भी आपूर्ति प्रभावित में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है।

पुलिस की कसावट के बाद क्षेत्र में डीजल ए कबाड़ की चोरी पर अंकुश लग गया

मैदानी अमला पेट्रोलिंग के लिए निकला था।

इसी दौरान ग्राम संस्थानों के पास वंदना पावर प्लाट की बंद 400 केवी लाइन के टावर को छुका हुआ दिखा और उसका तार नीचे से गुजरे 220 केवी लाइन के अर्थिंग तार बदलाया था। अत्रिय स्थिति निर्मित होती, इसके पहले ही अनुपीत लेकर लाइन बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई। शाम चार बजे बिजली सप्लाई बंद की गई। इसके साथ ही आवश्यक सुधार कार्य और अंरंभ किया गया। बताया जा रहा है कि सरगुजा संभाग के विश्वामित्र, सुरजपुर, बलरामपुर और शाम चार बजे पूरा क्षेत्र आउट हो गई है। और शाम चार बजे जारी करने अब बिजली बंद होने का असर जारी हो गया है। इससे बिजली बंद होने का असर जारी हो गया है। रविवार को विद्युत ट्रांसिशन कंपनी परिवर्षण कंपनी परिवर्षण कंपनी का विद्युत ट्रांसिशन कंपनी परिवर्षण कंपनी का विद्युत ट्रांसिशन कंपनी का जा रही है।

मैदानी अमला पेट्रोलिंग के लिए निकला था।

इसी दौरान ग्राम संस्थानों के पास वंदना पावर प्लाट की बंद 400 केवी लाइन के टावर को छुका हुआ दिखा और उसका तार नीचे से गुजरे 220 केवी लाइन के अर्थिंग तार से टकरा रहा था। अत्रिय स्थिति निर्मित होती, इसके पहले ही अनुपीत लेकर लाइन बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई। शाम चार बजे बिजली सप्लाई बंद की गई। इसके साथ ही आवश्यक सुधार कार्य और अंरंभ किया गया। बताया जा रहा है कि सरगुजा संभाग के विश्वामित्र, सुरजपुर, बलरामपुर, इसी तरह कबाड़ चोरों करने अब बिजली खंभे को निशाना बनाया जा रहा है। इससे बिजली बंद होने का असर जारी हो गया है। रविवार को विद्युत ट्रांसिशन कंपनी का जा रही है।

नए मरीजों का मिलना चिंताजनक

प्रदेश में अभी तक 'ओमिक्रोन' की दस्तक नहीं हुई है, इसके बावजूद इस बड़ी तादाद में कोरोना के नए मरीजों का मिलना बेदू गंभीर है। लिहाजा प्रदेश के लोगों से अपील की जा रही है कि एक बार पिस मुसीबत मोलने से बेहरा है, संयमित रहते हुए इस कठिन समय को निकालें। खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों की मदद करें।

नए मरीजों का मिलना चिंताजनक

प्रदेश में अभी तक 'ओमिक्रोन' की

दस्तक नहीं हुई है, इसके बावजूद इस बड़ी तादाद में कोरोना के नए मरीजों का मिलना बेदू गंभीर है। लिहाजा प्रदेश के लोगों से अपील की जा रही है कि एक बार पिस मुसीबत मोलने से बेहरा है, संयमित रहते हुए इस कठिन समय को निकालें। खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों की मदद करें।

चार दिनों के भीतर यह आंकड़ा 1273 पहुंच गया है। सीधे मायने में देखा जाए तो रोज मिलने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।

राजधानी में बदले जाने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।

राजधानी में बदले जाने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।

राजधानी में बदले जाने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।

राजधानी में बदले जाने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।

राजधानी में बदले जाने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।

राजधानी में बदले जाने वाले नए रोजाने के औसतन संख्या 200—250 हो गई है। प्रदेश में जिस तेजी से कोरोना ने पांच प्रसाद कर दिया है, उसे भविष्य के लिए जारी रखना चाहिए।